प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में चार–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पन्तनगर। 26 अक्टूबर 2024। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा 'पोषण–संवेदनशील कृषि को खाद्य प्रणाली में एकीकृत करना' विषय पर चार–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डा. एस.के. कश्यप, मैनेज हैदराबाद से उप निदेशक (जेंडर स्टडीज) डा. विनीता कुमारी (ऑनलाइन), और कृषि संचार विभाग की विभागाध्यक्ष डा. वी.एल.वी. कामेश्वरी सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम की समन्वय डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल, सहायक प्राध्यापिका, कृषि संचार विभाग द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान दस विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए, जिनमें पोषण के मूल सिद्धांत, कुपोषण की समस्या, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की खाद्य और पोषण सुरक्षा में भूमिका, स्थायी विकास हेतु पोषण–संवेदनशील कृषि, लैंगिक समावेशी कृषि और पोषण और पोषण–संवेदनशील गतिविधियों की प्रभावी डिजाइनिंग शामिल थे। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को विभिन्न अनुसंधान केंद्रों, सेब और ड्रैगन फ्रूट के बागानों का भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें प्रशिक्षण के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अवसर मिला। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। इसके पश्चात् अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर डा. विनीता कुमारी ने कार्यक्रम के डिजाइन की सराहना करते हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। डा. वी.एल.वी. कामेश्वरी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पोषण–संवेदनशील कृषि को बढावा देने में संचार के महत्व पर प्रकाश डाला और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लोगों में जागरूकता बढाने के लिए आवश्यक बताया। डा. एस. के. कश्यप ने कार्यक्रम की सफलता में सभी के सहयोग की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे अपने ज्ञान का उपयोग अपने समुदायों के लाभ के लिए करें। कार्यक्रम के अंत सभी अतिथियों, विषय विशेषज्ञों, संकाय सदस्यों और प्रतिभागियों को उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम पोषण–संवेदनशील कृषि में ज्ञान को बढावा देने और ऐसे सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एकउत्कृष्ट मंच साबित हुआ, जो कृषि और पोषण में सतत विकास में सहायक सिद्ध होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 23 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, नागपुर आदि से आए प्रतिभागी शामिल थे।

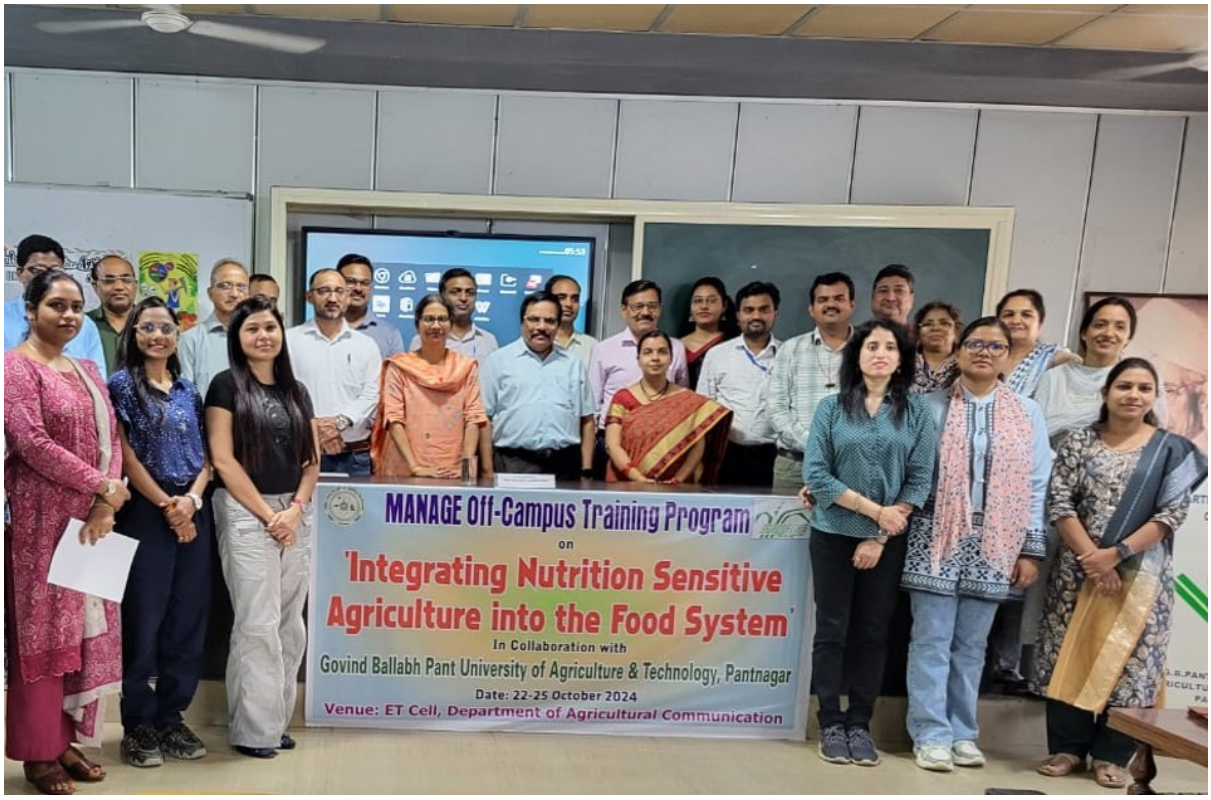

1. प्रतिभागियों के साथ अधिकारीगण।

निदेशक संचार